राज्यपाल सचिवालय
राजभवन जयपुर
–

भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 126वीं जयंती

राज्यपाल कल्याण सिंह ने बारह लोगों को अम्बेडकर पुरस्कार से सम्मानित किया

———

जयपुर, 14 अप्रेल। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 126वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को जमवारामगढ़ तहसील के ग्राम मूण्डला में राज्यस्तरीय समारोह मनमोहक जय जय राजस्थान, सैण्ड आर्ट, लघु नाटिका, सांस्कृतिक लावणी नृत्य एवं नगाड़ा वादन व भव्य आतिशबाजी कार्यक्रम के साथ मनाया गया।

राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने अम्बेडकर पीठ परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में 12 लोगों को नकद राशि एवं प्रशस्त्रि पत्र देकर अम्बेडकर पुरस्कार से सम्मानित किया।

राज्यपाल श्री सिंह ने डॉ. अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें युग पुरूष, क्रांतिकारी और महान व्यक्ति बताया। राज्यपाल ने इस मौके पर विभिन्न सेवाओं में सराहनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों और प्रतिभावान छात्र–छात्राओं को अम्बेडकर शिक्षा पुरस्कार व तीन जनों को अम्बेडकर सामाजिक सेवा पुरस्कार, अम्बेडकर महिला कल्याण पुरस्कार व अम्बेडकर न्याय पुरस्कार व नगद राशि से सम्मानित किया।

श्री सिंह ने कहा कि आदर्श महापुरूषों की जयन्ती के अवसर पर अवकाश समाप्त किया जाए। इस अवसर पर स्कूल व कॉलेजों में महापुरूषों की जीवनी पर गोष्ठी का आयोजन कर उनके जीवन दर्शन के बारे में बताया जाए ताकि युवाओं को युगपुरूषों के बारे में अधिकाधिक जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि समाज में सामाजिक समता होनी चाहिए ऊँच नीच का भेदभाव समाप्त होना चाहिए, बाबा साहेब हर भारतीय के आदर्श हैं।

डॉ. अम्बेडकर ने कहा था कि जब तक समाज में सामाजिक समरसता पैदा नही होगी, समाज उन्नति नही कर सकता है। यहीं से ही स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे नैतिक मूल्यों की स्थापना होती है। यही सामाजिक न्याय की अवधारणा है। उनका कहना था कि सभी को समान न्याय का सिद्धान्त सारगर्भित है और अधिकांशतः उन सभी सिद्धान्तों को भी अपने में सम्मिलित करता है जो कि एक नैतिक व्यवस्था के लिए आवश्यक है।

डॉ. अम्बेडकर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कितने बड़े हितैषी थे, यह बात उनके द्वारा संविधान में दिये गये वक्तव्य से सिद्ध होती है। संविधान सभा में एक बार उन्होंने कहा था कि ''संविधान सभा में मैं क्यों आया? केवल दलित वर्गों के हितों के उत्थान के लिए। इससे अधिक मेरी और कोई आकांक्षा नहीं थी। यहाँ पर मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी इसकी मुझे कल्पना भी नहीं थी।

राज्यपाल श्री सिंह ने बाबा साहेब भीमराव डॉ. अम्बेडकर के जीवन प्रसंग सुनाये और कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने अपने जीवनकाल में समाजोद्धार के अनेक आंदोलन चलाये जो आज इतिहास के प्रमुख अध्याय हैं। चाहे महाराष्ट्र के कुलाबा जिले के महाड़ गांव के चवदार तालाब से दलितों को पानी के उपयोग का अधिकार दिलाना हो या फिर नासिक जिले के कालाराम मंदिर प्रवेश का सत्याग्रह हो। यह बात उनके द्वारा संविधान में दिये गये वक्तव्य से सिद्ध होती है। बाबा साहेब आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन वे ऐसे ज्योतिपुंज हैं, जिनके कार्यो और विचारों की ज्योति हमेशा प्रज्ज्वलित रहेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री कालीचरण सर्राफ, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री अरूण चतुर्वेदी, उद्योग मंत्री श्री राजपाल सिंह शेखावत, प्रदेशाध्यक्ष श्री अशोक परनामी, विधायक श्री जगदीश नारायण मीणा, अम्बेडकर पीठ के महानिदेशक श्री के.एल.बैरवाल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक श्री रवि जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

– –